आनंद ही आनंद बरस रहा | By Rakesh Kala

हाथी घोडा पालकी जय हो कन्हैया लाल की

आनंद ही आनंद बरस रहा बिहारी जी के द्वार पे
भक्तों का मन भी हरष रहा बिहारी जी के द्वार पे

पलकों से चौखट बुहारू
पल पल तेरी नज़र उतारू
जब भी मैं झांकी को देखूं
तन मन सब तो पे वारु
दर्शन को मैं भी तरस रहा बिहारी जी के द्वार पे
आनंद ही आनंद बरस रहा...........

खुशियां ही खुशियां छाई
भक्तों सबको है बधाई
अरे मंगल गाओ भक्तों
देखो शुभ घड़ी है आई
रे भक्तों का मनवा हरष रहा बिहारी जी के द्वार पे
आनंद ही आनंद बरस रहा...........

आनंद कंद हैं बिहारी आनंद ही है बरसाते
आनंद से भर जाते जो इनकी शरण में आते
ज़र्रा ज़र्रा देखो हरष रहा बिहारी जी के द्वार पे
आनंद ही आनंद बरस रहा...........

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%a8%e0%a4%82%e0%a4%a6-%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a8%e0%a4%82%e0%a4%a6-%e0%a4%ac%e0%a4%b0%e0%a4%b8-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%be-by-rakesh-kala/